वर्ष - 5

अंक - 20

धार्मिक बाल त्रैमासिक पत्रिका

चहकती चेतना

बाल कविता विशेषांक

संपादक - विराग शास्त्री, जबलपुर

प्रकाशक - सूरज बेन अमुलखराय सेठ स्मृति ट्रस्ट, मुंबई

संस्थापक - आचार्य कुन्दकुन्द सर्वोदय फाउन्डेशन, जबलपुर (म.प्र.)

20वां अंक अक्टूबर से दिसंबर 2011

आध्यात्मिक, तात्विक, धार्मिक एवं नैतिक
बाल त्रैमासिक पत्रिका

चहकती चेतना

प्रकाशक
श्रीमति सूरजबेन अमुलखराय सेठ स्मृति ट्रस्ट, मुम्बई

संस्थापक
आचार्य कुन्दकुन्द सर्वोदय फाउन्डेशन, जबलपुर म.प्र.

संपादक
विराग शास्त्री, (जबलपुर), देवलाली

प्रबंध संपादक
श्रीमति स्वस्ति जैन, देवलाली

प्रकाशकीय प्रबंधक
श्री मनीष जैन 'भंगलम्', जबलपुर

डिजाइन/ ग्राफिक्स
गुरुदेव ग्राफिक्स, जबलपुर

परमसंरक्षक
श्री अनंतराय ए.सेठ, मुम्बई
श्री प्रेमचंदजी बजाज, कोटा

संरक्षक
श्री आलोक जैन, कानपुर
श्री सुनीलभाई. पे. शाह, भायंदर, मुम्बई

प्रकाशकीय व संपादकीय कार्यालय
"चहकती चेतना"
फ्लेट नं.210, न्यू कहान नगर सोसायटी
बेलतगांव रास्ता, लाम रोड, पो. देवलाली
जि. नासिक 422401 महा.
मो. 9373294684, 0253-2491044
e-mail - chahaktichetna@yahoo.com

1. हमारे तीर्थक्षेत्र
2. भक्तामर स्त्रोत
3. वे कौन थे
4. प्रेरक प्रसंग
5. 16 कविताओं का संग्रह
6. ग्रीन सिम्बाल का सच
7. दीपावली पोस्टर
8. जन्मदिन

सदस्यता शुल्क
400 रु. (तीन वर्ष हेतु)
एक प्रति 20 रु.

सदस्यता राशि अथवा सहयोग राशि आप चहकती चेतना के नाम से ड्राफ्ट/चैक/मनीआर्डर से भेज सकते हैं। आप यह राशि कोर बैंकिंग से "चहकती चेतना" के बचत खाते में जमा करके हमें सूचित सकते हैं।
पंजाब नेशनल बैंक, फुहारा चौक, जबलपुर
बचत खाता क्र.- 1937000101030106

पूज्य गुरुदेवश्री कानजीस्वामी के समस्त ओडियो – वीडियो
प्रवचन, प्रवचन साहित्य एवं अन्य अनेक जानकारियों के लिये अवश्य देखें – वेबसाइट

www.vitragvani.com

संपर्क सूत्र – श्री कुन्दकुन्द – कहान पारमार्थिक ट्रस्ट, मुम्बई
Ph. No.:- 022-26130820, 26104912.
E - mail :- info@vitragvani.com

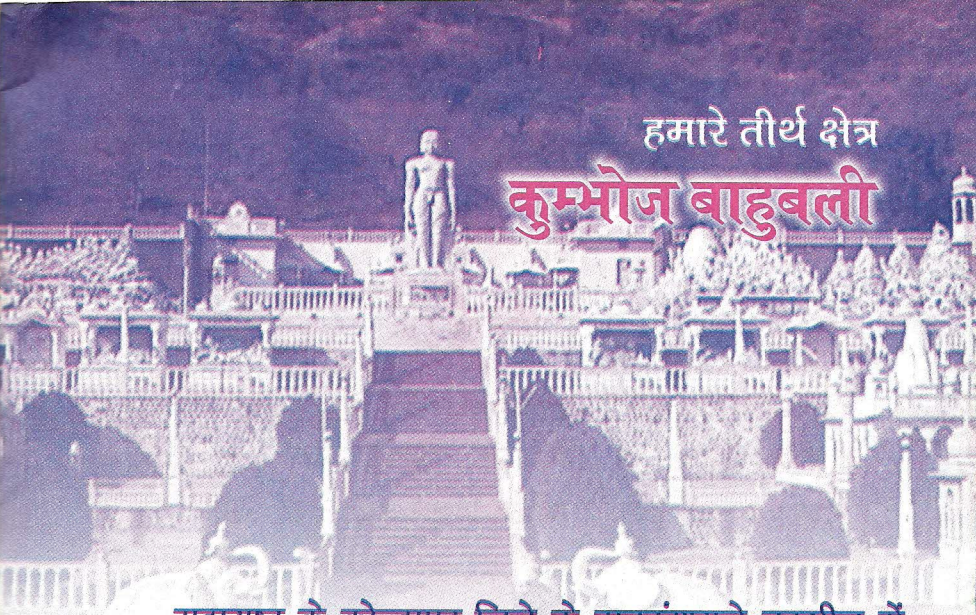

हमारे तीर्थ क्षेत्र

कुम्भोज बाहुबली

महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के हातकंणगले तहसील में स्थित कुम्भोज बाहुबली महाराष्ट्र का प्रसिद्ध अतिशय क्षेत्र है। यह प्राचीन काल से मुनियों की साधना भूमि रही है। मुनि श्री बाहुबली महाराज यहाँ तप किया करते थे। यहाँ पर भगवान बाहुबली स्वामी की 28 फीट ऊँची मनोज्ञ प्रतिमा है। इसके साथ ही यहाँ श्री महावीर स्वामी समवशरण मंदिर, स्वयंभू मंदिर, रत्नत्रय मंदिर, नंदीश्वर-पंचमेरु की भव्य रचना, मानस्तम्भ, कीर्ति स्तम्भ आदि दर्शनीय एवं वंदनीय हैं। यहाँ एक लघु पहाड़ भी है। यहाँ श्री बाहुबली ब्रह्मचर्य आश्रम और गुरुकुल है। इसमें लौकिक अध्ययन के साथ दिगम्बर जिनशास्त्रों का विधिवत् अध्ययन कराया जाता है। यहाँ आवास और भोजन की समुचित व्यवस्था है। यहाँ से कोथड़ी 45 किमी, स्तवन निधि 70 किमी और कुन्थुगिरि 12 किमी की दूरी पर हैं।

कुम्भोज बाहुबली का संपर्क सूत्र - 0230 - 2584422, 2584881

भक्तामर स्त्रोत

भक्तामर स्त्रोत के बाइस छंदों का हिन्दी एवं अंग्रेजी अनुवाद आप पहले के अंकों में पढ़ चुके है अब आगे ...

23

सूर्य समान अमल पुरुह्लोत्तम शुभ्र अनूप तम हारी।
आदिक नामों से योगीजन तुझको ध्यावें मनहारी।
मृत्यु पे भी तुझको पाकर विजय प्राप्त हो जाती है।
हे प्रभु, तुझको छोड़ मुक्ति की राह न जग में दूजी है।।

Great and Pure. Brillant like the sun,
Darkness-killer, call thee saints,
One who got thee, death has conquered,
Thou, sole guide to salvation.

24

आद्य अचिन्त्य कोई कहते हैं कोई ब्रह्मा विष्णु महेश।
अव्यय, ज्ञान रूप कहते हैं अरु काई निर्मल योगेश।
काम केतु कोई कहते हैं कोई असंख्य विभु और सन्त।
कोई एक अनेक कोई और कोई कहते तुझे अनन्त।।

Inconceivable, one, many,
Eternal, Cerator, Pure,
Omniscient, Vishnu, Shiv, Brahma,
Lust-destroyer are thy names.

शेष अगले अंक में...

जिन मंदिर है समवशरण सा

जिनमंदिर है समवशरण सा।
सदा हीं रखना इसका ध्यान।
मंदिर का करना सन्मान ।
यहाँ न करना खान–पान ।
खेलकूद तज करना ध्यान ।
प्रभु सम निज आतम पहचान ।
सदा हीं करना भक्ति गान ।
जिन मंदिर का रखना ध्यान ।।

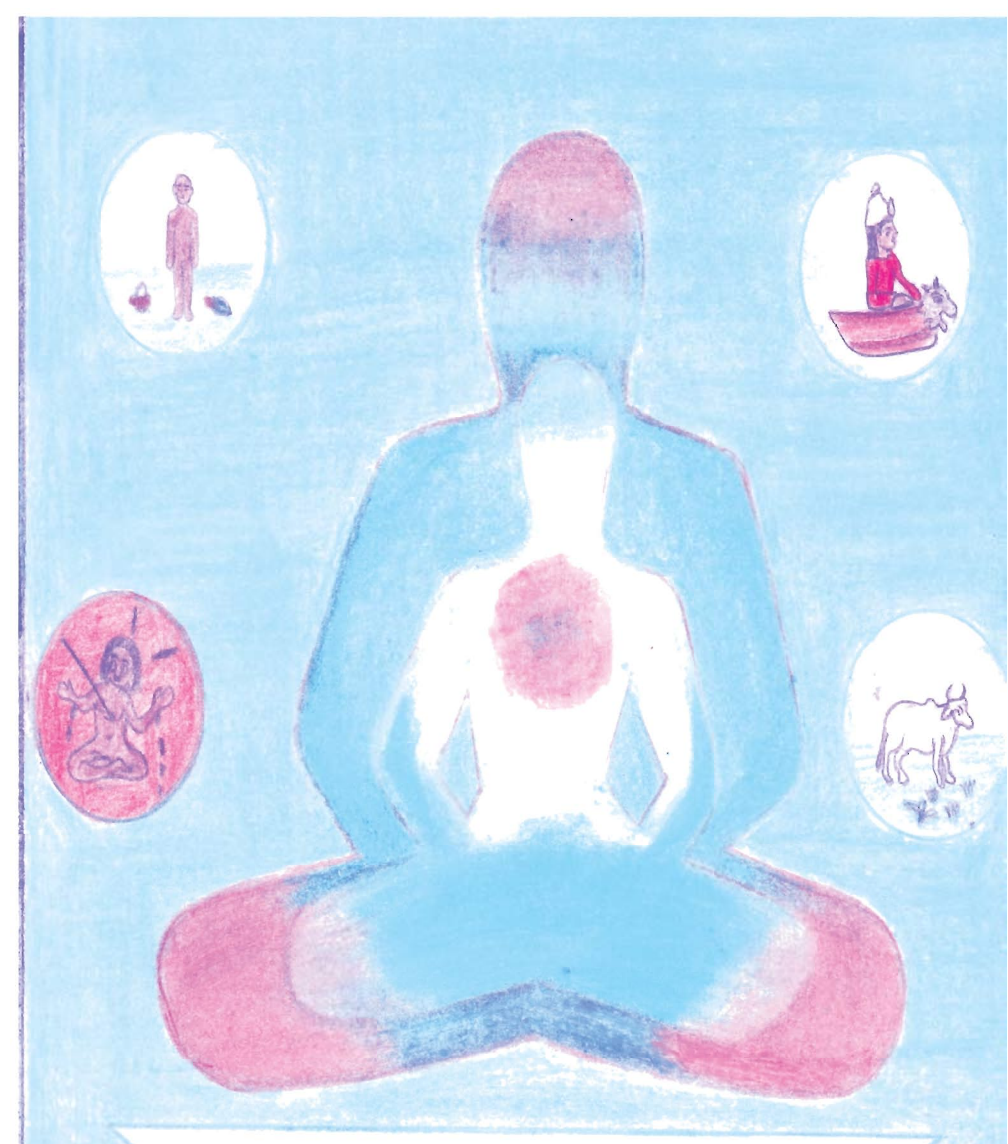

आतम देह का कैसा साथ !

आतम देह का कैसा साथ, हो आतम का ही विश्वास ।
देह साथ न जाती है, आतम सच्चा साथी है ।
देह को अपना मानोगे, तो चार गति में घूमोगे ।
रत्नत्रय प्रगटाओगे, तो निश्चित शिवपुर जाओगे ।

चले सैर को लोभीराम

चले सैर को लोभीराम।
देखा एक लटकता आम।
इस पर चढ़ने लगे पेड़ पर।
फिसला पैर तो गिरे धड़ाम।
चोरी का फल उसने पाया।
लोभ पाप का बाप बताया।

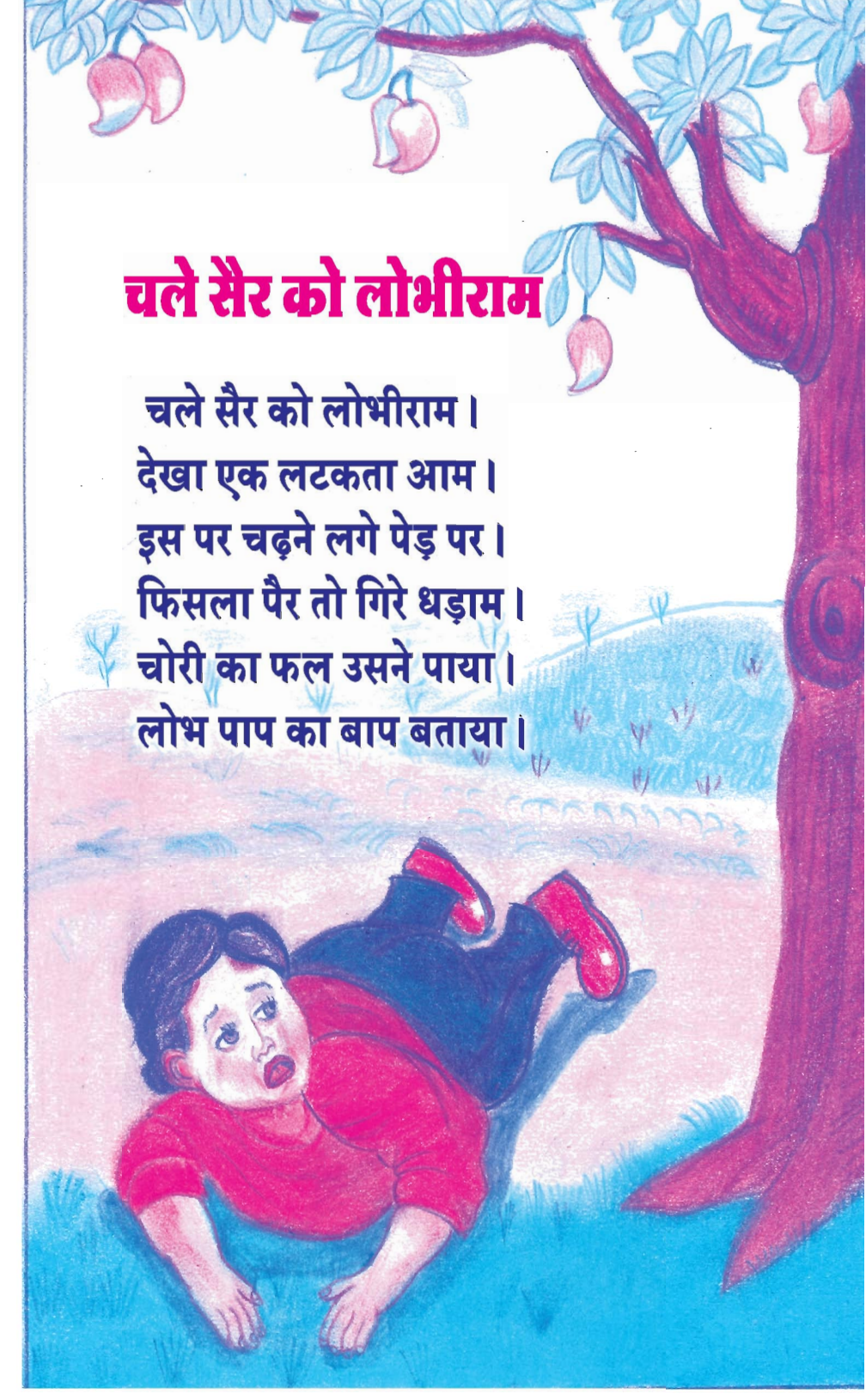

बच्चे बोले

जय जिनेन्द्र

बच्चे बोले जय जिनेन्द्र।
तोता बोला जय जिनेन्द्र।
अच्छे बोल सिखाता है।
सबके मन को भाता है।
आतम अनुभव पायेगा।
मोक्षपुरी में जायेगा।

जीव

पुद्गल

टिक टिक टिक हाथ घुमाती

धर्म

अधर्म

आकाश

काल

टिक टिक टिक घड़ी बताती ।
हमें समय का मूल्य बताती ।
छः द्रव्यों का समय है नाम ।
समय आतमा का भी नाम ।
कुन्दकुन्द प्रभु ने बतलाया ।
आतम का वैभव का दिखलाया ।

हाथी दादा कहाँ चले

हाथी दादा कहाँ चले ?
सूंड़ उठाकर कहां चले ?
मेरे घर भी आओ ना ।
हलुआ-पूरी खाओ ना ।

आज मैं ना खाऊँगा ।
जिन मंदिर ही जाऊँगा ।
आतम मेरे पास है ।
और मेरा उपवास है ।।

आओ हम सब
खेलें खेल
आओ हम सब खेलें खेल,
चलती है अब मोक्ष की रेल।
प्रभु अरहंत हैं गार्ड हमारे,
रत्नत्रय डिब्बे का मेल।
चेतन राजा जल्दी बैठो,
वरना छूट जायेगी रेल ।।

मेरी प्यारी नानी

मेरी प्यारी-प्यारी नानी।
रोज सुनाती नई कहानी।।
अच्छी-अच्छी कथा सुनाये।
पाप मार्ग से हमें बचाये।
जिनशासन के वीर पुरूष की,
गौरव गाथा रोज बताये।
चश्मा पहने प्यारी नानी।
रोज सुनाती नई कहानी।।

ग्रीन सिम्बॉल का सच...

100% Veg

क्या आप जानते हैं
बाजार में बिकने
वाली खाद्य सामग्री
के पैकेट पर बहुत
बारीक अक्षरों में लिखे

E-Number

का मतलब क्या है ?
तो जानिये एक
चौकाने वाली खोज खबर...

सावधान ! कहीं आप मांसाहार तो नहीं कर रहे ?

सन् 1993 में यूरोपियन कानून की तरह भारत में भी खाद्य पदार्थों को दो भागों में वर्गीकृत करते हुये मांसाहार के पैकेट पर **लाल चिन्ह** एवं शाकाहार के पैकेट पर **हरा चिन्ह** लगाए जाने का कानून बना दिया गया।

किन्तु सच यह है कि सरकारी अधिसूचना में माँसाहार के अंतर्गत -बाल, पंख, सींग, नाखून, चर्बी और अण्डे की जर्दी को बाहर रखा गया है। इसके चलते कम्पनियों ने अपने उत्पादों में इन अशुद्ध पदार्थों का उपयोग कर हरा चिन्ह लगाकर बाजार में बेच रहे हैं।

कम्पनियों के उत्पादों में ये अशुद्ध वस्तुएँ अन्तर्घटक तत्व Additives के रूप में मिलाये गए हैं। इन अन्तर्घटक तत्वों को विभिन्न श्रेणियों में विभाजित किया गया है जैसे- Colouring, Agents, Conservation Agents, Anti-Oxidants, Emulsifiers, Stabilizers and Thickener, Anti-Coagulants, Taste Enhansers, Modified Starches.

अन्तर्घटक तत्वों के नाम काफी बड़े होने के कारण पैकेट पर लिखना असंभव होने से भारत सरकार ने भी यूरोपियन कानून की नकल कर अन्तर्घटक तत्वों के लिये **E-Numbering System** (ENSप्रणाली) को लागू किया है।

- इंटरनेट साइट www.veggieglobals.com पर कौन-कौन से अन्तर्घटक तत्व मांसाहारी हैं कि सूची दी गई है जिसको आपके उपयोग के लिये इस पत्रक में दी गई है।
- साथ ही कंपनियों के हरे चिन्ह वाले खाद्य उत्पादों की सूची और उनमें पड़े E-Numbers की जानकारी दी गई है। जिनको अंदर दी गई सारणी से पता कर सकते हैं कि E-Number का मतलब क्या है।
- इसके अतिरिक्त कुछ कंपनियों के उत्पादों पर E-Numbers नहीं लिखे हैं किन्तु अंतर्घटक तत्वों की केटेगरी के नाम लिखे हैं जिससे यह भ्रम पैदा होता है कि ये अन्तर्घटक तत्व शाकाहार से बने हैं या मांसाहार से। जबकि वह दोनों से बना हो सकता है।

बाजार के इन खाद्य पदार्थों से बचें

कंपनी Company	आइटम / उत्पाद Item/ Product		प्राणी जन्य E नं. Product Source E No.
पारले PARLE	केक जैक	बिस्किट	E-471, E-322, E-481
	हाईजैक	बिस्किट	E-471, E-322, E-481
	पारले जी	बिस्किट	E-471, E-322, E-481
	मुनैको	बिस्किट	E-471, E-322, E-481
	औरेंज क्रीम	बिस्किट	E-471, E-322, E-481
	मैरी	बिस्किट	E-471, E-322, E-481
	क्रीम बोरबन	बिस्किट	E-471, E-322, E-481
	किसमी बार	टॉफी	E-322
	बटर कप	टॉफी	E-322, E-481
	गोल गप्पा	टॉफी	E-471
	फ्रूटी मैंगो	जूस	E-471, E-322, E-481
	पारले 20-20	बिस्किट	
	लेज	चिप्स	E-653

कंपनी Company	आइटम / उत्पाद Item/ Product		प्राणी जन्य E नं. Product Source E No.
सनफीस्ट Sunfest	स्पेशल बटर कुकीज़		E-471, E-322
	स्पेशल चौको क्रीम		E-322
	सनफीस्ट	बिस्किट	E-471, E-322, E-481
	स्पेशल	बिस्किट	E-322
	स्नैकी जिगजैग	बिस्किट	E-471, E-481
	सनफीस्ट ग्लूकोज	बिस्किट	E-322
कैडवरी Cadbury	5 स्टार	चॉकलेट	E-471, E-476, E-442
	डेरी मिल्क	चॉकलेट	E-476
	वॉर्न वीटा मिल्क पावडर		E-471, E-322
	इक्लेयर्स	टॉफी	E-471, E-476
	मिल्क ट्रीट	टॉफी	E-422, E-476
	जेम्स	टॉफी	E-476
नेसले Nastle	मिल्क चॉकलेट	चॉकलेट	E-471, E-476
	मैगी नूडल्स	नूडल्स	E-631, E-627
	मैगी नेसले बोरबन	बिस्किट	E-471
प्रिया गोल्ड Priyagold	क्लासिक क्रीम	बिस्किट	E-471, E-322, E-481
	सी.एन.सी.	बिस्किट	E-471, E-322, E-481
	स्नैक्स जिग जैग	बिस्किट	E-471, E-322, E-481
रिगली Wriegly	सेंटर फ्रेश		E-471, E-422,
न्यूट्रीन Nutrine	महालेक्ट्रो		E-322
	जेम्स		E-322, E-476
कैण्डीमैंन Candyman	इक्लेयर्स	टॉफी	E-471, E-322
	टॉफी चॉकलेट	टॉफी	E-471, E-322, E-476
मिन्टो Minto	गोल मिंट	टॉफी	E-904, E-322
पेरीज़ Parry's	कॉफी बाईट	टॉफी	E-471, E-322
बिन्गो Bingo	टोमैटो चिप्स	चिप्स	E-631, E-627
ब्रिटेनिया Britania	50-50	बिस्किट	E-472, E-481,
	जिम- जैम	बिस्किट	E-471, E-481, E-322
	गुड डे	बिस्किट	E-471, E-322
	नाइस टाइम		E-471, E-481, E-322
आई. टी. सी. I.T.C.	स्पाइसी टेस्टी ऑरेंज		E-322
	रिच कैश	बिस्किट	E-471, E-481
	चॉको क्रीम	बिस्किट	E-322
कैम्पी फ्रूटस Campy Fruits	चॉको टैडी		E-476, E-322
परफेटी Parfeati	हेप्पीडेन्ट	च्यूइंगम	E-422, E-322

ई नम्बर E.NO.	ई नम्बर का नाम Full Name of E	श्रेणी Category	उत्पादन स्रोत Source of Product	दुष्प्रभाव Side effect
E-120	कोचनील/ कारमिनिक एसिड Cochineal, Carminic Acid	लाल रंग (Red Colour) खाद्य वस्तुओं को रंगने में उपयोग Colour Use In Food Product In Coloring	प्राणी जन्य स्रोत Animal Origin	बच्चों में अति सक्रियता Harmful of Children's
E-153	कार्बन ब्लैक/ चारकोल Carbon Black / Vegetable Corbons	कत्था / काला रंग Moroon / Black Colour खाद्य वस्तुओं में उपयोग Use In Food Product	प्राणी जन्य स्रोत Animal Origin	बच्चों को हानिकारक/ प्रतिरोधक शक्ति में कमी Harmful of Children's Allergies or Intoerances
E-161G	कैन्थाजेन्थिन Canthaxanthin	कलर- नारंगी Orange Colour खाद्य वस्तुओं में उपयोग Use In Food Product	मछली एवं पानी में हड्डी वाले जानवर Fish & Invertebrates with Hard Shells.	स्वास्थ्य के लिये हानिकारक Harmful for Health
E-252	पोटेशियम नाइट्रेट Potassium Nitrate	आयोडीन रहित नमक पिकलिंग साल्ट Piking Salt	प्राणी जन्य स्रोत Animal Origin	सिरदर्द/ आँत में खराबी / त्वचा रोग Headic / Skin Dicease
E-322	लेसिथिन Lecithins	इमलसीफायर व स्टेब्लाइजर खाद्य पदार्थों के रंगों को स्थाईत्व एवं आईसक्रीम को जल्दी पिघलने से बचाने के लिये उपयोग	अण्डा/ जानवरों में पाई जाने वाली चर्बी Egg/ Animal Fat अण्डे की जर्दी एवं पानी को मलाईदार बनाने के लिये	

E-422	ग्लॉयसरॉल Glycerol	एल्कोहल/ मदिरा Alcohal	प्राणी जन्य स्रोत	
E-441	जिलेटिन Geletine	इमल्सीफायर स्टेबलाइजर Emulsifier and Stabilizer अण्डा की जर्दी एवं पानी को मलाईदार बनाने के लिये	प्राणी जन्य स्रोत Animal Origin	
E-442	अमोनियम फॉस्फेटाइड्स Ammonium Phosphatides	इमल्सीफायर – ऊँचे तापमान में रंग न छूटे इसके लिये उपयोग	जानवरों में पाई जाने वाली चर्बी / Animal Fat	
E-4704	सोडियम, पोटेशियम एण्ड कैल्शियम सॉल्ट्स ऑफ फेटी एसिड Sodium Potassium and Calcium Salts of Fatty Acids	इमल्सीफॉयर / एन्टीकेकिंग एजेंट Emulsifier/ Anti-Caking Agent	प्राणी जन्य स्रोत Animal Fat	
E-470 B	मेग्नीशियम स्टियरेट ऑफ फेटी एसिड्स Magnesium Stearate of Fatty Acids	इमल्सीफॉयर/ एन्टीकेकिंग एजेंट Emulsifier/ Anti Caking Agent	प्राणी जन्य स्रोत Animal Origin	
E-471	मोनो एण्ड डिग्लिसराइड्स ऑफ फेटी एसिड Mono & Diglycerides of Fatty Acids	इमल्सीफायर / Emulsifier खाद्य पदार्थों में स्पंज बनाने एवं ज्यादा समय तक रखने के लिये	प्राणी जन्य स्रोत Animal Origin	
E-472-A-F	मोनो एण्ड डायऐसिटाइलटारटेरिक एसिड के परिवार के E-472-, A-F इमल्सीफायर Mono & Diglycerides of Fatty Acid Family E-472, A-F Emulsifier	इमल्सीफायर Emulsifier	प्राणी जन्य स्रोत Animal Origin	
E-475	पॉलीग्लाइसरॉल एस्टर ऑफ फेटी एसिड Polyglyceral esters of Fatty Acids	इमल्सीफायर एण्ड स्टेबलाइजर्स Emulsifier and Stabilizer	प्राणी जन्य स्रोत Animal Origin	

ई नम्बर E.NO.	ई नम्बर का नाम Full Name of E	श्रेणी Category	उत्पादन स्रोत Source of Product	दुष्प्रभाव Side effect
E-476	पॉलीग्लाइसरॉल पॉलीरीसाइनोलीट Polyglyceral Polyricinoleate	इमल्सीफायर एण्ड स्टेबलाइजर्स Emulsifier & Stabilizer	प्राणी जन्य स्रोत Animal Origin	
E-477	प्रोपेन- 1,2 डायोल एस्टरस ऑफ फेटी एसिड्स Propane-1,2 Diol esters of Fatty acids	इमल्सीफायर एण्ड स्टेबलाइजर्स Emulsifier & Stabilizers	प्राणी जन्य स्रोत Animal Origin	
E-478	लेक्टीलेटेड फेटी एसिड एस्टर्स ऑफ ग्लाइसरॉल एण्ड प्रोपेन 1-2, डायोल Lactylated Fatty acid esters of glycerol and Propane-1	इमल्सीफायर स्टेबलाइजर्स Emulsifier & Stabilizers	प्राणी जन्य स्रोत Animal Origin	
E-479 B	थर्मली ऑक्सीडाइज्ड सोयाबीन ऑयल एण्ड डिग्लिसराइड्स ऑफ फेटी एसिड्स Thermally oxidized soyabean oil and diglycerides of fatty acids	इमल्सीफायर / स्टेबलाइजर्स Emulsifier & Stabilizers	प्राणी जन्य स्रोत Animal Origin	
E-481	सोडियम स्टीरियॉल -2 लेक्टीलेट Sodium Stearoyl-2 Lactylate	इमल्सीफायर स्टेबलाइजर्स खाद्य पदार्थों को स्पंजा बनाने के लिये	प्राणी जन्य स्रोत Animal Origin	
E-483	स्टीरियल टॉरट्रेट Stearoyl Tartrate	इमल्सीफायर / स्टेबलाइजर्स Emulsifier & Stabilizers	प्राणी जन्य स्रोत Animal Origin	
E-542	बोन फॉस्फेट (खाने योग्य हड्डी) का पावडर Bone Phosphate	एन्टीकेकिंग एजेन्ट Anti Caking Agent	प्राणी जन्य स्रोत Animal Origin	

E-572	मेग्नीशियम स्टीयरेट Magnesium Stearate	इमल्सीफॉयर / एन्टी केकिंग एजेंट Emulsifier/ Anti Caking Agent	प्राणी जन्य स्रोत Animal Origin	
E-631	डीसोडियम इनोसीनेट Disodium Inosinate	फ्लेवर इन्हेंसर स्वाद बढ़ाने वाला Flavour Enhancer	प्राणी जन्य स्रोत Animal Origin	
E-635	डीसोडियम 5 राइबोन्यूक्लियोटाइड Dsodium 5 ribonucleotides 5	फ्लेवर इन्हेंसर स्वाद बढ़ाने वाला Flavour Enhancer	प्राणी जन्य स्रोत Animal Origin	
E-640	ग्लॉयसाइन और इसका सॉल्ट सोडियम Glycine and its Sodium	फ्लेवर इन्हेंसर स्वाद बढ़ाने वाला Flavour Enhancer	प्राणी जन्य स्रोत Animal Origin	
E-901	बीजवेक्स (मधुमोम) Beeswax-white and yellow	ग्लेजिंग एजेन्ट / खाने योग्य पदार्थों को चमकाने वाली चीज़ Glazing Agent	प्राणी जन्य स्रोत Animal Origin	
E-904	शीलैक Shellac	ग्लेजिंग एजेंट खाने योग्य पदार्थों को चमकाने वाली चीज़ Glazing Agent	प्राणी जन्य स्रोत Animal Origin	
E-910	एल-सिस्टीन L-Cysteine	इम्प्रूविंग एजेंट Improving Agent	प्राणी जन्य स्रोत Animal Origin	
E-920	एल-सिस्टाइन हाइड्रोक्लोराइड L-Cysteine Hydrochloride	इम्प्रूविंग एजेंट Improving Agent	प्राणी जन्य स्रोत Animal Origin	
E-921	एल- सिस्टाइन हाइड्रोक्लोराइड मोनोहाइड्रेट L-Cysteine Hydrochloride Monohydrate	इम्प्रूविंग एजेंट Improving Agent	प्राणी जन्य स्रोत Animal Origin	

घंटा बोला टन-टन-टन

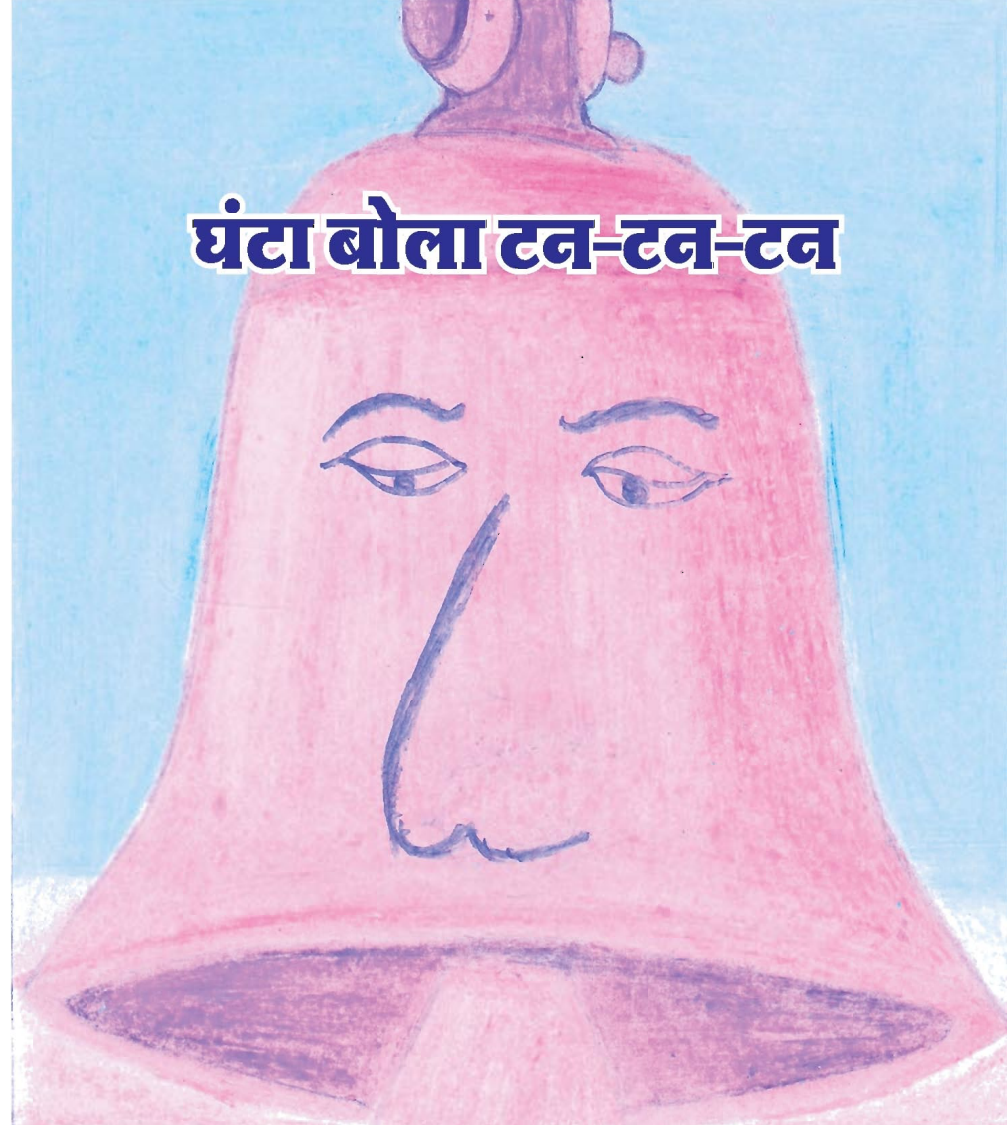

घंटा बोला टन-टन-टन ।
मेरी भी आवाज को सुन ।
जिन मंदिर नित आना तुम ।
अरहंतों की पूजा सुन ।

आसमान में
चंदा मामा
आसमान में चंदा मामा,
मामा मेरे घर भी आना।
तेरे ऊपर हैं जिन मंदिर,
जिनवाणी माँ का यह कहना ।।

पानी बरसा छम छम छम, ऊपर छाता नीचे हम।
पानी में न खेलें हम, जीव की रक्षा करते हम।
अच्छे हम राजा हम, नन्हे-मुन्ने ज्ञायक हम ॥

एक फूल यूं बोला

एक फूल बच्चों से बोला,
अपने भीतर का दुःख खोला।
मुझको कभी भी तोड़ो ना,
पत्ती टहनी मोड़ो ना।
जैसे तुम एक जीव हो,
वैसे हम भी जीव हैं।

रोज सबेरे जल्दी उठना

रोज सबेरे जल्दी उठना।
उठकर मंत्र नवकार को पढ़ना।
सही समय पर मंदिर जाना।
जिन दर्शन कर निज पद पाना।।

पांच रंग का सुंदर झंडा

पांच रंग का सुंदर झंडा।
लहराता है ये पचरंगा।
जिनशासन की शान बढ़ाये।
हर जैनी के मन में भाये।
मंगलमय हम करें वंदना।
ये झंडा फहरे हर अंगना।।

मंदिर हम क्यों जाते हैं

मंदिर हम क्यों जाते हैं ?
जिनदर्शन क्यों करते हैं ?
भगवन जैसा बनना है ,
तो दर्शन उनके करना है।
जैसा प्रभु ने काम किया,
हम भी वैसा काम करें।
जिन सम ही बन जायेंगे,
लौटकर हम न आयेंगे।

चिड़िया सुन ले कुट-कुट-कुट

चिड़िया सुन ले कुट–कुट–कुट।
तू भी खा ले ये बिस्कुट।
भूख लगी है खा ले तू।
खाकर ही उड़ जाना तू।

बिस्कुट मैं ना खाती हूँ।
दाना पानी लेती हूँ।
बिस्कुट हैं बाजार के।
घर में बनाओ प्यार से।
बड़े प्यार से खाऊँगी।
वरना भूखी रह जाऊँगी।।

वे कौन थे

प्रश्न1 – वे कौन थे जिन्होंने रामचंद्रजी को मुनि दीक्षा के बाद प्रथम बार आहार दान दिया था ?

उत्तर – प्रतिनन्द राजा।

प्रश्न2 – वे कौन थे जिन्हें सोलह स्वप्न देखकर वैराग्य हो गया था ?

उत्तर – सम्राट चंद्रगुप्त।

प्रश्न 3 – वे कौन थे जिनने नाक से शंख बजाया था ?

उत्तर – राजकुमार नेमिनाथ।

प्रश्न 4 – वे कौन थे जिन्हें राज्य देकर राजा बाहुबली ने दीक्षा ले ली थी ?

उत्तर – श्री महाबलजी।

प्रश्न 5 – वे कौन थे जिनकी प्रतिज्ञा थी कि वे मात्र सच्चे देव–शास्त्र–गुरू को ही नमस्कार करेंगे ?

उत्तर – राजा बलि।

प्रश्न 6 – वे कौन थे जो शतावधानी कहलाते थे ?

उत्तर – श्रीमद् राजचन्द्रजी।
(शतावधानी अर्थात् एक साथ 100 बातें सुनकर उन्हें वापस उसी क्रमानुसार दोहरा देना।)

प्रश्न7 – वे कौन थे जिनके जन्म के समय गुफा में प्रकाश हो गया था ?

उत्तर – वीर हनुमान।

प्रश्न 8 – वे कौन थे जिन्होंने ब्राह्मण वर्णी की स्थापना की ?

उत्तर – भरत चक्रवर्ती।

प्रश्न9 – वे कौन थे जिनने मुनिराज को कड़वी लौकी का आहार दिया और उसके फल में मरकर तीसरे नरक में गये ?

उत्तर – अमृत रसायन।

प्रेरक प्रसंग

संस्कार

फ्रांस देश पर जब अत्याचारी शासकों ने आक्रमण कर दिया तब देश के नागरिक जान बचाने के लिये देश छोड़कर भाग रहे थे। सैनिकों ने कई गांव लूटकर नष्ट कर दिये। कुछ महिलायें जंगल में भाग गईं, इनमें से एक महिला गर्भवती थी। गर्भवती होने के कारण वह अधिक दूर नहीं भाग पाई। इसलिये उसे पास के पहाड़ के पास एक छोटे गांव में रूकना पड़ा। उसे चारों ओर से तोपों के चलने की आवाज, घोड़ों के दौड़ने की आवाज और सैनिकों के भागने की आवाज सुनाई देती थी। दिन भर उसके मन में युद्ध की घटनायें और उसके विचार मन में आते रहते थे। वह सोचती कि काश! मैं इन दुश्मनों से बदला ले सकती। दिन – रात चलने वाले इन परिणामों का असर गर्भ के बालक पर होने लगा। समय पर उसने एक बालक को जन्म दिया, बाद में यही बालक वीर सेनापति 'नेपोलियन बोनापार्ट' के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

परिश्रम से सब संभव

इस युग के महान वैज्ञानिक एवं गणित विशेषज्ञ आइंस्टीन अपनी कक्षा में गणित के सबसे कमजोर विद्यार्थी थे। बच्चे उन्हें बुद्धू या आइन स्टोन के नाम से चिढ़ाते थे, कभी – कभी 'बुद्धू' शब्द की चिट बनाकर उसके पेंट के पीछे चिपका देते थे। इतना होने के बाद भी वह किसी का बुरा नहीं मानता था। वह हर समय गणित सीखने का प्रयास करता रहता था। एक बार अध्यापक ने बहुत बार एक गणित समझाया फिर 'आइंस्टीन' से पूछा तो वह चुपचाप दूसरे बच्चों की ओर देखता रहा। तब अध्यापक ने गुस्से में कहा कि तुम सात जन्मों तक गणित नहीं सीख सकते, गणित छोड़कर दूसरा विषय सीखो। यह बात 'आइंस्टीन' को चुभ गई। उसने कठोर परिश्रम किया और बहुत बड़ा गणितज्ञ बन गया। आज आइंस्टीन लाखों लोगों के लिये आदर्श है। सच है परिश्रम से किसी भी कार्य की सिद्धि हो सकती है बस मन में लगन होना चाहिये।